International Journal for Multidisciplinary Research (IJFMR)
E-ISSN: 2582-2160 ● Website: www.ijfmr.com ● Email: editor@ijfmr.com

विश्व पर्यावरण दिवस 2023 पर प्रकाशित समाचारों का तुलनात्मक अध्ययन (भारत के प्रमुख हिन्दी समाचार पत्रों के विशेष सन्दर्भ में)

महेश कुमार सोनी

शोधार्थी, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर

शोध सारांश

वर्तमान समय में दुनिया के अधिकांश देश हर क्षेत्र में विकास की दौड़ में भाग रहे हैं तथा हर जगह पर्यावरण के विपरीत मानवीय गतिविधियों से पर्यावरण को नुकसान हो रहा है। हालांकि अधिकांश देश नीतियां बनाकर पर्यावरण संरक्षण के प्रयास कर रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद पर्यावरण संरक्षण विश्व के लिए महत्वपूर्ण मुद्दा बना हुआ है। पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनता को जागरूक करने में समाचार पत्र भी प्रयास करते हैं। इस शोध में विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 2023 पर भारत प्रमुख 7 हिन्दी समाचार पत्रों के मुख्य पृष्ठ, सम्पादकीय पृष्ठ और सम्पूर्ण समाचार पत्र में पर्यावरण आधारित समाचारों का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है।

संकेत शब्द : पर्यावरण, मानवीय गतिविधियां, समाचार पत्र, पर्यावरण दिवस, मुख्य पृष्ठ, सम्पादकीय पृष्ठ

प्रस्तावना

पर्यावरण शब्द की उत्पति फ्रैंच भाषा के एन्वारारेन (Envororen) शब्द से हुई है। जिसे अंग्रेजी में एन्वायरन्मेंट (Environment) कहा जाता है। इस शब्द का अर्थ है 'द राउण्ड' अर्थात् चारों तरफ से घेरे हुए। हिन्दी के शब्द पर्यावरण का अर्थ है परि+आवरण अर्थात् किसी स्थान या वस्तु को घेरे रखने वाली सभी दशाओं व तथ्यों को पर्यावरण कहा जाता है। प्रो. जे. स्मिथ के अनुसार 'भौतिक, रासायनिक और जैविक दशाओं का योग, जो एक जीव द्वारा अनुभव किया जाता है। जिसमें जलवायु, मृदा, जल, प्रकाश, निकटवर्ती वनस्पति, व्यक्तिगत तथा अन्य प्रजातियां सम्मिलित हैं। विश्व शब्दकोश के अनुसार 'पर्यावरण उन समस्त दशाओं, प्रणालियों तथा प्रभावों का योग है, जो जीवों तथा उनकी प्रजातियों के विकास, जन्म तथा मरण को प्रभावित करता है।'[1] पर्यावरण में होने वाले अवांछनीय परिवर्तन जैसे– प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता क्षरण और अन्य प्राकृतिक आपदाओं से पर्यावरण को क्षति होती है। साथ ही जनसंख्या वृद्धि और मानव द्वारा प्राकृतिक संसाधनों के उपभोग में वृद्धि भी पर्यावरणीय समस्याएं उत्पन्न करती है।

आज विश्व में संतुलित पर्यावरण की गंभीर समस्या समाज के सभी वर्गों को सोचने और जागरूक होने के लिए मजबूर कर रही है। पर्यावरणीय समस्याओं को लेकर इंसान समय रहते जागरूक नहीं हुआ तो आशंका है कि मनुष्य का जिंदा रहना मुश्किल हो जाएगा। पूरे विश्व में पारिस्थितिकी के खिलाफ क्रियाकलाप हो रहे हैं। प्रकृति की वर्तमान दुर्दशा को देखते हुए पर्यावरण को संतुलित बनाए रखने के लिए सभी स्तरों पर प्रभावी कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। पेड़–पौधे, जलवायु, जीव–जन्तु सभी मिलकर पर्यावरण का निर्माण करते है। पर्यावरण के जैविक और अजैविक घटक एक दूसरे से पारस्परिक क्रिया करते हैं। इनमें से किसी भी घटक के असंतुलित होने पर सम्पूर्ण पर्यावरण तंत्र अस्थिर हो जाता है।[2]

पर्यावरणीय समस्याओं व उनके समाधान के प्रति वैश्विक स्तर पर जागरूकता के लिए संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम द्वारा 5 जून 1973 से विश्व पर्यावरण दिवस मनाए जाने की शुरूआत की गई। प्रतिवर्ष पर्यावरण दिवस पर किसी एक विषय पर विश्व का ध्यान केन्द्रित करने का प्रयास किया जाता है। विश्व पर्यावरण दिवस 2023 प्लास्टिक प्रदूषण के समाधान पर केन्द्रित रहा।[3] पर्यावरणीय समस्याओं व उनके समाधान को लेकर सरकार और जनता के साथ समाचार पत्र भी लोगों को जागरूक करने का प्रयास करते रहते हैं। समाचार पत्रों द्वारा समय–समय पर पर्यावरण के मुद्दों पर सामग्री प्रकाशित की जाती है। जिससे लोगों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता उत्पन्न होती है। समाचार पत्र सरकार की पर्यावरण से संबंधित नीतियों के क्रियान्वयन और जनता व सरकार के बीच सेतु की तरह भूमिका अदा कर रहे हैं।

हिन्दी समाचार पत्रों के समाचारों का विश्लेषण

विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 2023 पर देश के राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्रों ने दिल्ली के संस्करण में अलग–अलग अंदाज से समाचार, आलेख, सम्पादकीय, कार्टून, फोटो स्टोरी आदि के माध्यम से पाठकों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया। भारत के प्रमुख हिन्दी समाचार पत्रों में विश्व पर्यावरण दिवस 2023 पर प्रकाशित समाचारों का तुलनात्मक अध्ययन का विश्लेषण निम्नलिखित है–

दैनिक जागरण – समाचार पत्र द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस 2023 पर बैनर में समाचार पत्र के नाम की पृष्ठभूमि विश्व पर्यावरण दिवस आधारित रही तथा दूसरे विज्ञापन जैकेट के पीछे के पृष्ठ में दिल्ली के विभिन्न इलाकों के एयर क्वालिटी इंडेक्स के आंकड़े दर्शाए गए। दैनिक जागरण के मुख्य पृष्ठ पर 4 कॉलम में एक फोटो व विश्व पर्यावरण दिवस के लोगो के साथ एंकर स्टोरी 'मौसम में बदलाव का पक्षियों पर भी पड़ रहा असर' शीर्षक से समाचार प्रकाशित कर वर्ष 2023 के अप्रेल–मई माह में बेमौसम बारिश से पक्षियों के प्रजनन व्यवहार में परिवर्तन और पक्षियों पर संकट को दर्शाया गया। अंदर के पृष्ठों में लीड स्टोरी 'कचरे से भरे नाले मानसून में बढ़ाएंगे परेशानी', बॉटम स्टोरी जागरण विशेष 'स्वदेशी सेंसर बताएगा प्रदूषण का कारण, आइआइटी सुझाएगा निवारण', 'कागजों में काम पूरा, धरातल पर अधूरा', ग्राफ और कार्टून के साथ '222 की रफ्तार से दौड़ी परिवहन विभाग की चालान गाड़ी', बॉटम स्टोरी 'देश के भूजल दोहन में आई कमी, आंशिक सुधार', 'यमुना बचाने को बनाई 22 किमी लंबी मानव श्रृंखला', लीड स्टोरी 'जींस रंगाई फैक्ट्रियों के प्रदूषित पानी से जहरीली होती जा रही यमुना', शीर्षक से समाचार प्रकाशित कर पाठकों को पर्यावरण आधारित मुद्दों पर जागरूक करने का प्रयास किया गया। दैनिक जागरूण के संपादकीय पृष्ठ में 'पर्यावरण के साथ बंधी जीवन की डोर' व नालों की सफाई को लेकर 'चिंता की बात' शीर्षक से आलेख तथा एक कार्टून प्रकाशित किया।

दैनिक भास्कर – समाचार पत्र द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस 2023 पर बैनर में समाचार पत्र के नाम की पृष्ठभूमि में हरे रंग की पत्तियों का फोटो लगाकर सजाया गया। साथ ही बैनर पर पर्यावरण जागरूकता के लिए महत्वपूर्ण संदेश भी लिखा गया, जो इस प्रकार है – ''जलवायु परिवर्तन के खतरों को झलने वाली हम पहली पीढ़ी है... और वो आखिरी पीढ़ी जो इसे रोकने के लिए कुछ कर सकती है।'' दैनिक भास्कर द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस 2023 को समाचार पत्र में कुछ नवाचार किए गए। जिसमें प्रत्येक समाचार की डेटलाइन की शुरूआत हरी पत्ती लगाकर करना, 'एक पेड़–एक जिन्दगी' अभियान लॉन्च करना, समाचार पत्र में अधिकांश जगहों पर हरे रंग की स्याही का उपयोग करना आदि। दूसरे जैकेट विज्ञापन के पीछे पॉजी–टून में भी पर्यावरण आधारित कार्टून को जगह दी गई है। मुख्य पृष्ठ में पर्यावरण आधारित 8 कॉलम की लीड स्टोरी 'भास्कर विशेष : वर्ष 2100 की पीढ़ी के लिए साल 2023 का एक पत्र' शीर्षक से चिट्ठी प्रकाशित कर वर्तमान में पर्यावरण को हो रहे नुकसान और इस समय की पीढ़ी को पर्यावरण का संरक्षण करने की अपील की गई। वहीं मुख्य पृष्ठ के बॉटम में भास्कर के अभियान 'एक पेड़– एक जिन्दगी लॉन्च 1 जुलाई को बनेगा रिकॉर्ड' शीर्षक से समाचार प्रकाशित किया गया। अन्य पृष्ठों में '124 साल पहले 1 रूपए का सरकारी पेड़ काटा, दोषी को हुई 5 रू. जुर्माने की सजा', 'विश्व पर्यावरण दिवस : ई–खाना पकाने के समाधान तलाशेगी सरकार', 'स्वच्छ यमुना मिशन : डीजेबी बढ़ा रहा जलभागीदारी', 'मानव श्रृंखला : यमुना प्रदूषण से मुक्ति का लिया संकल्प' 'साइकिल रैली निकाल पर्यावरण संरक्षण के प्रति किया जागरूक', 'नदियां बचाने का काम रहे, प्रयास है बारहमासी होः भूपेश', 'जो गांव की सफाई में शामिल नहीं, उसे खाना नहीं', 'पर्यावरण संरक्षण में तेलंगना टॉप, गुजरात दूसरे नंबर पर' शीर्षक से पर्यावरण संरक्षण को लेकर बहुआयामी समाचार प्रकाशित किए गए। दैनिक भास्कर ने इस दिन विश्व पर्यावरण दिवस विशेष एक पृष्ठ प्रकाशित किया। जिसमें 'भविष्यफल : ये दो तस्वीरें, आप अपने कल के लिए किसे चुनेंगे?', 'प्रकृति को धन्यवाद कहने के 9 तरीके' '2050 में यह होगा धरती पर' शीषकों से आलेखों का प्रकाशन किया। इस विशेष पृष्ठ में अक्षरों के रंग और तस्वीरों के सुव्यवस्थित संयोजन से यह पृष्ठ काफी आकर्षक रहा। इस दिन दिल्ली संस्करण में सम्पादकीय पृष्ठ नहीं था।

राजस्थान पत्रिका – विश्व पर्यावरण दिवस 2023 पर समाचार पत्र के बैनर में एक तरफ पर्यावरण दिवस का लोगो तथा दूसरी तरफ प्लास्टिक प्रदूषण के स्रोतों की जानकारी दी गई है। मुख्य पृष्ठ पर 8 कॉलम में लीड स्टोरी 'एक लाख उड़ानों से ज्यादा प्रदूषण दुनियाभर में स्टोर किए गए 94 लाख करोड़ जीबी डाटा से' समाचार प्रकाशित कर डाटा जनरेशन और स्टोर करने के लिए उपकरणों के संचालन व इन उपकरणों को ठण्डा करने के लिए होने वाले प्रदूषण को दर्शाया गया। शी न्यूज कॉलम में महिलाओं द्वारा पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों के समाचार 'अनोखे ईको फ्रेंडली आइडिया से पिंकी करती है सरप्राइज', 'महिलाओं की हरगिला आर्मी बना, बचा रहीं वन्यजीव', 'महिलाएं जानती है पानी बचाने का महत्व' शीर्षक से प्रकाशित किए गए। इसके साथ ही अन्य पृष्ठों पर लीड स्टोरी 'पर्यावरण संरक्षण में राजस्थान देश में सबसे फिसड्डी, तेलंगना अव्वल', 'खराब हो रहे टायरों से बन रही सड़के', बॉटम स्टोरी 'यमुना को निर्मल करने के प्रयास अब भी न पूरे नहीं', लीड स्टोरी 'पन्ना टाइगर रिजर्व की जैव विविधता पर संकट' शीर्षक से पर्यावरण से संबंधित समाचार प्रकाशित किए गए तथा 'पर्यावरण दिवस पर सुकून की तस्वीर' शीर्षक से एक फोटो स्टोरी भी प्रकाशित की गई। समाचार पत्र के संपादकीय पृष्ठ पर 'अब अप्रत्यक्ष नहीं अदृश्य प्लास्टिक के आघात', 'तय करें कि पृथ्वी पर प्लास्टिक रहेगा या हम', 'नहीं कर सकते रियूज तो करें रिफ्यूज', 'उपभोग घटाएं, प्रकृति और जीवन बचाएं', 'बना रहे प्रकृति का आंतरिक संतुलन, तभी रहेगा जीवन', 'पौधे लगाते रहें, ताकि मिलती रहे साफ हवा' शीर्षकों से आलेख प्रकाशित हुए। इस पृष्ठ के केन्द्र में प्लास्टिक के इस्तेमाल के आंकड़ों को लेकर अच्छा ले–आउट तैयार किया गया। राजस्थान पत्रिका के संपादकीय पृष्ठ का अधिकांश भाग पर्यावरण आधारित आलेखों को समर्पित रहा।

अमर उजाला – विश्व पर्यावरण दिवस 2023 पर समाचार पत्र के बैनर को पर्यावरण आधारित आकर्षक पेंटिंग से सजाया गया। समाचार पत्र में मुख्य पृष्ठ पर पर्यावरण आधारित किसी भी समाचार को जगह नहीं मिली, लेकिन समाचार पत्र के इस अंक में विश्व

पर्यावरण दिवस पर अच्छे ले–आउट के साथ दो विशेष पृष्ठों का प्रकाशन किया। जिसमें पहले विशेष पृष्ठ का शीर्षक 'प्लास्टिक प्रलय' रखा गया। जिसमें 'खतरनाक... गंगा नदी की मछलियों में मिला प्लास्टिक', 'समुद्र में घुला जहर भारत के तटों पर भी फैल रहा', 'एक किलो नमक में 50 से ज्यादा कण, पहुंचा रहे नुकसान', 'उल्का से बनी 52 हजार साल पुरानी झील पर भी खतरा', 'भारत में प्लास्टिक प्रदूषण', 'इंसान जो दे रहे, वहीं वापस लौटा रही प्रकृति', 'पांच बार लपेट लो पूरी धरती' शीर्षक से आलेख प्रकाशित किए गए। दूसरे विशेष पृष्ठ में 'ई वाहनों से बदलेगी राजधानी की फिजा', 'अरावली में खनन पर पाबंदी से बढ़ी वन्यजीवों की आबादी', 'पर्यावरण के लिए जलाशयों का कायाकल्प जरूरी', 'एक साल कूड़े के पहाड़ होंगे खत्म, मिलेगी साफ हवा', 'प्रकृति की रक्षा के लिए छात्र बनेंगे पर्यावरण योद्धा', 'क्लाइमेट जस्टिस पुस्तकालय कर रहा सजग', 'यमुना को बचाने के लिए उमड़ी दिल्ली, 22 किमी लम्बी मानव श्रृंखला बनाई', 'प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए योजनाबद्ध तरीके से काम कर रही सरकार' शीर्षक से पर्यावरण आधारित समाचारों का प्रकाशन किया गया। संपादकीय पृष्ठ में 'प्लास्टिक में डूबता समुद्र' शीर्षक से आलेख प्रकाशित किया गया।

नवभारत टाइम्स– विश्व पर्यावरण दिवस 2023 पर समाचार पत्र के बैनर में पर्यावरण आधारित आकर्षक पेंटिंग लगायी गई। समाचार पत्र द्वारा मुख्य पृष्ठ पर पर्यावरण आधारित किसी भी समाचार को जगह नहीं दी गई। भीतरी पृष्ठ में 'यमुना को कलकल बहते देखने का सपना ताउम्र संजाए रहे मनोज', शीर्षक से समाचार प्रकाशित हुआ। समाचार पत्र में एक पृष्ठ में 'इलेक्ट्रिक गाड़ियों का क्रेज बढ़ा, हवा में घुल रहा जहर कम हुआ', हैल्थ के मामले में दिल्ली नंबर 1: सीएसई', 'यमुना को बचाने की शपथ के साथ बनाई 22 किमी की ह्यूमन चैन', 'साहिबा नदी में कैसे लौटेगी जान?', 'यमुना की पाठशाला का दूसरा फेज भी जल्द', '4 साल में जितने कूड़े की छंटाई की, उसका 61 प्रतिशत नया कचरा डंप हो गया' शीर्षक से समाचार प्रकाशित किए। समाचार पत्र के संपादकीय पृष्ठ पर किसी भी पर्यावरण आधारित आलेख को जगह नहीं मिली।

हिन्दुस्तान – विश्व पर्यावरण दिवस 2023 पर समाचार पत्र के बैनर में एक तरफ पर्यावरण दिवस का लोगो लगाया गया है। समाचार पत्र द्वारा मुख्य पृष्ठ पर पर्यावरण आधारित किसी भी समाचार को जगह नहीं दी गई। भीतरी पृष्ठों में लीड स्टोरी 'प्लास्टिक से प्रदूषण पर दिल्ली वाले सजग', 'सर्वे : वाहन आधे करने से पर्यावरण स्वच्छता की उम्मीद' शीर्षक से समाचार प्रकाशित हुए। जीने की राह विशेष पृष्ठ में काम की बात कॉलम में 'आपकी अपनी प्रकृति भी रहेगी हरी–भरी' शीषक से आलेख व 'पर्यावरण' शीर्षक से पर्यावरण जागरूकता के सन्देश प्रकाशित किए गए। संपादकीय पृष्ठ में 'सबके सच्चे प्रयास से बचेगा पर्यावरण', 'प्लास्टिक के कबाड़ पर कभी फूल नहीं खिला करते' और अनुलोम–विलोम कॉलम में 'धीरे–धीरे ही सही, बढ़ रही जागरूकता' व 'सोशल मीडिया पर निभाए जाते कर्तव्य' शीर्षक से आलेख प्रकाशित किए गए।

जनसत्ता – समाचार पत्र में विश्व पर्यावरण दिवस 2023 के अंक में बैनर आम दिनों की तरह ही रहा। मुख्य पृष्ठ पर सीएसई के प्रदूषण आंकलन के आंकड़ों पर आधारित 'पांच साल कम हो गई भारतीयों की औसत उम्र' शीर्षक से समाचार प्रकाशित हुआ। भीतरी पृष्ठ में बॉटम स्टोरी 'पौधरोपण को बढ़ावा देने के लिए बनाया बीज बैंक', 'यमुना को प्रदूषण से बचाने के लिए मानव श्रृंखला बनाई', 'निर्माण सामग्री बनाने वाले संयंत्रों पर बढ़ेगा पर्यावरण मानकों के पालन का दबाव, अधिसूचना जारी' शीर्षक से समाचार प्रकाशित हुए। सपांदकीय पृष्ठ में 'बिगड़ता पर्यावरण और हमारी जिम्मेदारी' शीर्षक से आलेख प्रकाशित किया गया।

निष्कर्ष

Table 1 - Environment News Coverage Percentage on Front Page

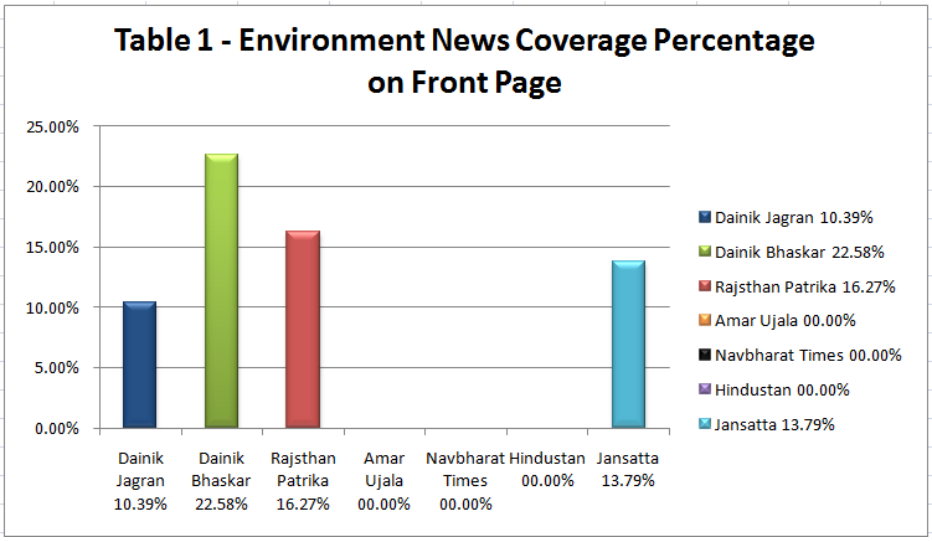

टेबल 1 व्याख्या : इस टेबल में 5 जून 2023 को विभिन्न चयनित हिन्दी समाचार पत्रों के मुख्य पृष्ठ पर प्रकाशित पर्यावरण से संबंधित समाचारों का प्रतिशत दर्शाया गया है। जिसमें मुख्य पृष्ठ के कुल स्थान में से सर्वाधिक दैनिक भास्कर ने 22.58 प्रतिशत, फिर राजस्थान पत्रिका ने 16.27 प्रतिशत, जनसत्ता ने 13.79 प्रतिशत, दैनिक जागरण ने 10.39 प्रतिशत पर्यावरण संबंधित सामग्री को स्थान दिया, जबकि अमर उजाला, नवभारत टाइम्स, हिन्दुस्तान समाचार पत्रों ने मुख्य पृष्ठ पर पर्यावरण संबंधित सामग्री को स्थान नहीं दिया।

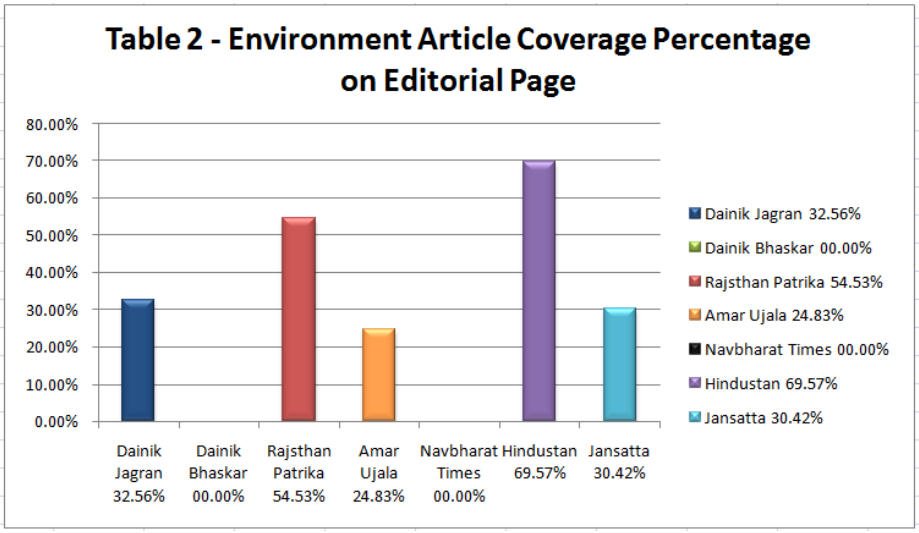

टेबल 2 व्याख्या : इस टेबल में 5 जून 2023 को विभिन्न चयनित हिन्दी समाचार पत्रों के सम्पादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित पर्यावरण से संबंधित सामग्री का प्रतिशत दर्शाया गया है। जिसमें सम्पादकीय पृष्ठ के कुल स्थान में से सर्वाधिक हिन्दुस्तान ने 69.57 प्रतिशत, फिर राजस्थान पत्रिका ने 54.53 प्रतिशत, दैनिक जागरण ने 32.56 प्रतिशत, जनसत्ता ने 30.42 प्रतिशत, अमर उजाला ने 24.83 प्रतिशत पर्यावरण संबंधित सामग्री को स्थान दिया, जबकि नवभारत टाइम्स और दैनिक भास्कर ने सम्पादकीय पृष्ठ पर पर्यावरण संबंधित सामग्री को स्थान नहीं दिया।

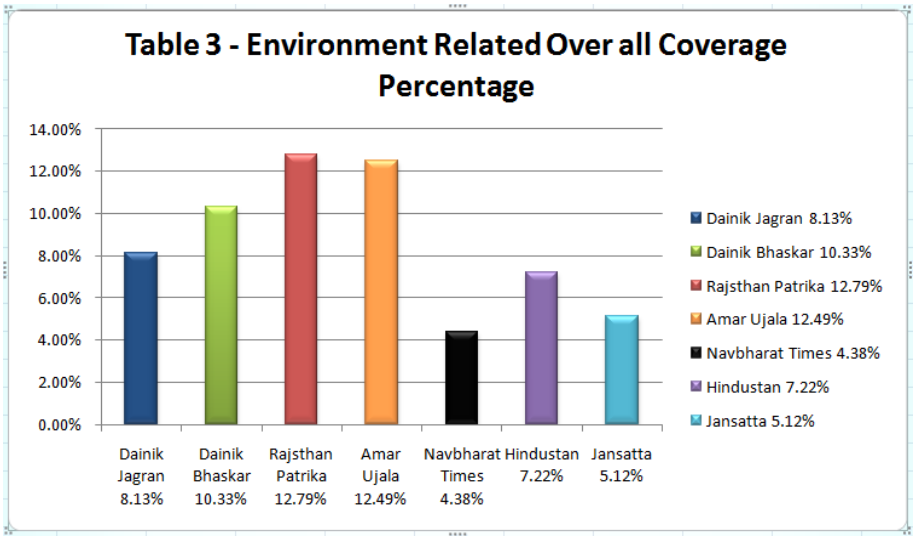

टेबल 3 व्याख्या : इस टेबल में 5 जून 2023 को विभिन्न चयनित हिन्दी समाचार पत्रों के कुल पृष्ठों में प्रकाशित पर्यावरण आधारित सामग्री का प्रतिशत दर्शाया गया है। जिसमें समाचार पत्र के सभी पृष्ठों पर प्रकाशित पर्यावरण से संबंधित सामग्री के योग के आधार पर सर्वाधिक राजस्थान पत्रिका ने 12.79 प्रतिशत, फिर अमर उजाला ने 12.49 प्रतिशत, दैनिक भास्कर ने 10.33 प्रतिशत, दैनिक जागरण ने 8.13 प्रतिशत, हिन्दुस्तान ने 7.22 प्रतिशत, जनसत्ता ने 5.12 प्रतिशत, नवभारत टाइम्स ने 4.38 प्रतिशत पर्यावरण संबंधित सामग्री को स्थान दिया।

सन्दर्भ सूची

1. ममोरिया डॉ. चतुर्भुज, सिंह डॉ. कोमल, पर्यावरण एवं संसाधन प्रबन्ध, एस बी पी डी पब्लिकेशन, आगरा, 2021, पृ.सं. 3–4

2. शर्मा दामोदार, आधुनिक जीवन और पर्यावरण, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली, 2009 पृ.सं. 27
3. https://www.unep.org/events/un-day/world-environment-day-2023
4. दैनिक जागरण, नई दिल्ली संस्करण, 05 जून 2023
5. दैनिक भास्कर, नई दिल्ली संस्करण, 05 जून 2023
6. राजस्थान पत्रिका, नई दिल्ली संस्करण, 05 जून 2023
7. अमर उजाला, नई दिल्ली संस्करण, 05 जून 2023
8. नवभारत टाइम्स, नई दिल्ली संस्करण, 05 जून 2023
9. हिन्दुस्तान, नई दिल्ली संस्करण, 05 जून 2023
10. जनसत्ता, नई दिल्ली संस्करण, 05 जून 2023